



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email: proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:16.04.2022

THE IMPRESSIVE TIMES

Haryana to strengthen its charging infrastructure for EVs: Dr Hanif Qureshi

Simran Rawat
info@impressivetimes.com

FARIDABAD: Haryana will soon have an Infrastructure facility for charging all types of Electric Vehicle (EVs) across the state as the State Government has formulated an Electric Vehicle Policy to accelerate the adoption of electric vehicles and strengthen charging infrastructure in the State. The Policy proposes to create better infrastructure facilities for charging of Electric Vehicles. This was disclosed by Dr Hanif Qureshi, Director General, Haryana New and Renewable Energy Department who was chief guest in the inaugural session of two-day AICTE sponsored International Conference on 'Recent Developments in Electrical and Electronics Engineering' (ICRDEEE 2022) organized by the JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad. The conference was presided over by the Vice-Chancellor Prof. SK Tomar.



Prof. Bhim Singh from IIT Delhi was keynote speaker in the Conference. The conference is convened by Dr. Sakshi Kalra and Sh. Nitin Goel. Addressing the inaugural session, Dr Qureshi said that India has set a target to meet 50 per cent of its energy requirements from renewable energy by 2030. To achieve this target, the State Govern-

EDUCATIONAL INSTITUTIONS HAVE TO PLAY IMPORTANT ROLE IN CONDUCTING RESEARCH: PROF. SK TOMAR

ment has already introduced Haryana Bio-Energy Policy and Haryana Solar Power Policy. Haryana's Electric Vehicle Policy will not only ensure environmental sustainability by promoting clean transportation, but also create an ecosystem for manufacturing of Electric Vehicles (EVs) in the State, he added. Describing EVs charging facilities as an important aspect of the policy, Dr Qureshi said that e-vehicles are the only solution to address increasing

vehicular pollution in the country. For the promotion of the e-vehicle, the first step is to provide charging facilities in the State and Haryana New and Renewable Energy Department is continuously working in this direction. The charging stations being installed in the State are providing facilities for charging of all types of Electric Vehicle, he added. In his presidential address, Vice Chancellor Prof. SK Tomar said that research and innovation are becoming more and more society centric and directly linked to the sustainable development of the country. Therefore, educational institutions have to play an important role in conducting research in the area of emerging technologies. The conferences of such kind are required for researchers, technocrats and academicians to discuss interdisciplinary research and practices in their related fields and to provide smart solutions for the sustainable development, he added.



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:16.04.2022

THE TRIBUNE



VARSIY VOLLEYBALL TEAM SHINES

Faridabad: The team of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad have excelled in the Varchas Sports Fest organised by IIT-Jodhpur and brought laurels to the university by winning gold medal in volleyball competition. Athlete Vijay won a bronze medal in 200 metres race competition. The students have also participated and performed well in badminton, basketball, cricket and table tennis competitions in the fest. Vice Chancellor Prof SK Tomar and Registrar Dr SK Garg have congratulated the students on their achievement.



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email: proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:16.04.2022

HADOTI ADHIKAR

हरियाणा में जल्द विकसित होगी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग की ढांचागत सुविधा: डॉ. हनीफ कुरैशी

इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीन विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

► अधिकार संवाददाता

फरीदाबाद, 15 अप्रैल। हरियाणा में जल्द ही सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज करने के लिए ढांचागत सुविधा विकसित की जायेगी। राज्य सरकार द्वारा लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन देने और राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए एक इलेक्ट्रिक वाहन नीति तैयार की है। इस नीति में इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग के लिए बेहतर बुनियादी सुविधा विकसित करने का प्रस्ताव है।

यह जानकारी हरियाणा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के महानिदेशक डॉ. हनीफ कुरैशी ने आज जे.सी. बोस विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में 'इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीन विकास' (आईसीआरडीआईई 2022) पर आयोजित दो दिवसीय एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को मुख्यातिथि के रूप में संबोधित करते



हुए दी। सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने की। सम्मेलन में आईआईटी दिल्ली से प्रो. भीम सिंह मुख्य वक्ता रहे।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. कुरैशी ने कहा कि भारत ने 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा से पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हरियाणा में पहले ही जैव-ऊर्जा

नीति और सौर ऊर्जा नीति लागू है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की इलेक्ट्रिक वाहन नीति न केवल स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देकर पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करेगी, बल्कि राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन के निर्माण के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करेगी। इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सुविधाओं को नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू बताते हुए डॉ. कुरैशी ने कहा कि देश में बढ़ते वाहनों के प्रदूषण

को दूर करने के लिए ई-वाहन ही एकमात्र समाधान है। ई-वाहन को बढ़ावा देने के लिए पहला कदम राज्य में चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध कराना है और हरियाणा का नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग इस दिशा में लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में स्थापित किए जा रहे चार्जिंग स्टेशन सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने की सुविधा प्रदान कर रहे हैं।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMC, Faridabad
(formerly YMC University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:16.04.2022

AAJ SAMAJ

हरियाणा में जल्द विकसित होगी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग की ढांचागत सुविधा: हनीफ कुरैशी

■ शिक्षण संस्थानों को उभरती प्रौद्योगिकी में अनुसंधान पर देना होगा ध्यान: कुलपति प्रो. एसके तोमर

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। हरियाणा में जल्द ही सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज करने के लिए ढांचागत सुविधा विकसित की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन देने और राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के

सुनिवादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए एक इलेक्ट्रिक वाहन नीति तैयार की है। इस नीति में इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग के लिए बेहतर सुनिवादी सुविधा विकसित करने का प्रस्ताव है। उच्च जानकारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हरियाणा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के महानिदेशक डॉ. हनीफ कुरैशी ने जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएससीए, फरीदाबाद में 'इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीन विकास (आईसीआईटीईई 2022)' पर आयोजित ये दिवसीय एआईसीटीईई द्वारा प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए दी।

सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. एसके तोमर ने की। सम्मेलन में आईआईटी दिल्ली से प्रो. भीम सिंह मुख्य वक्ता रहे। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. कुरैशी ने कहा कि भारत ने 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत अथवा ऊर्जा से पुरा करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हरियाणा में पहले ही जैव-ऊर्जा नीति और सौर ऊर्जा नीति लागू है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की इलेक्ट्रिक वाहन नीति न केवल स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देकर पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करेगी, बल्कि राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन के निर्माण के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित



टोप प्रज्वलित कर सम्मेलन का उद्घाटन करते कुलपति तोमर।

करेगी। इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सुविधाओं की नीति का एक महत्वपूर्ण पहलु बताते हुए डॉ. कुरैशी ने कहा कि देश में बढ़ते वाहनों के प्रदूषण को दूर

करने के लिए ई-वाहन ही एकमात्र समाधान है। ई-वाहन को बढ़ावा देने के लिए पहला कदम राज्य में चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध कराना है और

हरियाणा का नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग इस दिशा में लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में स्थापित किए जा रहे चार्जिंग स्टेशन सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। कुलपति प्रो. एसके तोमर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि अनुसंधान और नवाचार अधिक से अधिक समाज केंद्रित होते जा रहे हैं जोकि सीधे तौर पर देश के सतत विकास से जुड़े हैं। इसलिए शिक्षण संस्थानों को उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि शोधकर्ताओं, तकनीकीविदों और शिक्षाविदों को अंतः विषय अनुसंधान और उभरती

प्रौद्योगिकी पर चर्चा करने एवं सतत विकास के लिए स्मार्ट समाधान प्रदान करने के लिए इस तरह के सम्मेलन एक बेहतर मंच प्रदान करते हैं। इससे पहले सम्मेलन अध्यक्ष एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष प्रो. पुनम सिंघल ने अतिथि वक्ताओं का स्वागत किया। डॉ. एफईटी प्रो. एमएल अग्रवाल ने सम्मेलन के बारे में विस्तार से बताया कि सम्मेलन के दौरान 4 आमंत्रित व्याख्यान होंगे और सम्मेलन के विषयों पर लगभग 50 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। सम्मेलन में छात्रों और शोधार्थियों द्वारा एक परियोजना और पोस्टर प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है। सत्र के अंत में कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

PIONEER

जल्द विकसित होगी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग की सुविधा : डॉ हनीफ कुरैशी

जेसी बोस विवि में हुआ इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीन विकास पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन
पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद



हरियाणा में जल्द ही सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज करने के लिए छात्रागत सुविधा विकसित की जायेगी। राज्य सरकार द्वारा लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन देने और राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए एक इलेक्ट्रिक वाहन नीति तैयार की है। इस नीति में इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग के लिए बेहतर बुनियादी सुविधा विकसित करने का प्रस्ताव है।

यह जानकारी हरियाणा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के महानिदेशक डॉ हनीफ कुरैशी ने आज जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में 'इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीन विकास' (आईसीआरडीईईई

जेसी बोस विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का दीप जला कर शुभारंभ करते कुलपति प्रो. एसके तोमर व अन्य।

2022) पर आयोजित दो दिवसीय एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित अंतराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए दी। वह सम्मेलन में मुख्य अतिथि थे। सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. एसके तोमर ने की। सम्मेलन में आईआईटी दिल्ली से प्रो. भीम सिंह मुख्य वक्ता रहे।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. कुरैशी ने कहा कि भारत ने 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा से पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हरियाणा में पहले ही जैव-ऊर्जा नीति और सौर ऊर्जा नीति लागू है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की

इलेक्ट्रिक वाहन नीति न केवल स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देकर पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करेगी, बल्कि राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन के निर्माण के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करेगी। इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सुविधाओं की नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू बताते हुए डॉ कुरैशी ने कहा कि देश में बढ़ते वाहनों के प्रदूषण को दूर करने के लिए ई-वाहन ही एकमात्र समाधान है। ई-वाहन को बढ़ावा देने के लिए पहला कदम राज्य में चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध कराना है और हरियाणा का नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग इस दिशा में लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में स्थापित किए जा रहे चार्जिंग स्टेशन सभी प्रकार के

इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने की सुविधा प्रदान कर रहे हैं।

कुलपति प्रो. एसके तोमर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि अनुसंधान और नवाचार अधिक से अधिक समाज केंद्रित होते जा रहे हैं जोकि सीधे तौर पर देश के सतत विकास से जुड़े हैं। इसलिए शिक्षण संस्थानों को उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में अनुसंधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

सत्र के मुख्य भाषण में प्रो. भीम सिंह ने ग्रिड इंटरएक्टिव फोटोवोल्टिक (पीवी) सिस्टम पर व्याख्यान दिया और भारत की वर्तमान सौर क्षमता और इसके भविष्य के लक्ष्यों पर चर्चा की। उन्होंने सोलर और ग्रिड के बीच उपलब्ध इंटरफेसिंग सिस्टम के प्रकारों के बारे में बताया। इससे पहले सम्मेलन अध्यक्ष एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष प्रो. पुनम सिंघल ने अतिथि वक्ताओं का स्वागत किया। डॉन एफआईटी प्रो. एम.एल. अग्रवाल ने सम्मेलन के बारे में विस्तार से बताया और बताया कि सम्मेलन के दौरान चार आमंत्रित व्याख्यान होंगे और सम्मेलन के विषयों पर लगभग 50 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

REPCO NEWS

हरियाणा में जल्द विकसित होगी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग की ढांचागत सुविधा : डा० हनीफ कुरैशी



फरीदाबाद, 15 अप्रैल (रैपको न्यूज़)। हरियाणा में जल्द ही सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज करने के लिए ढांचागत सुविधा विकसित की जायेगी। राज्य सरकार द्वारा लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन देने और राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए एक इलेक्ट्रिक वाहन नीति तैयार की है।

इस नीति में इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग के लिए बेहतर बुनियादी सुविधा विकसित करने का प्रस्ताव है। यह जानकारी हरियाणा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के महानिदेशक डॉ० हनीफ कुरैशी ने आज जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में 'इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीन विकास'

(आईसीआरडीईई 2022) पर आयोजित दो दिवसीय एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए दी। वह सम्मेलन में मुख्य अतिथि थे। सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने की।

सम्मेलन में आईआईटी दिल्ली से प्रो. भीम सिंह मुख्य वक्ता रहे। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. कुरैशी ने कहा कि भारत ने 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा से पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हरियाणा में पहले ही जैव-ऊर्जा नीति और सौर ऊर्जा नीति लागू है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की इलेक्ट्रिक वाहन नीति न केवल स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देकर पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करेगी, बल्कि राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन के निर्माण के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करेगी।

इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सुविधाओं की नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू बताते हुए

डॉ० कुरैशी ने कहा कि देश में बढ़ते वाहनों के प्रदूषण को दूर करने के लिए ई-वाहन ही एकमात्र समाधान है। ई-वाहन को बढ़ावा देने के लिए पहला कदम राज्य में चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध कराना है और हरियाणा का नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग इस दिशा में लगातार काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य में स्थापित किए जा रहे चार्जिंग स्टेशन सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। कुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि अनुसंधान और नवाचार अधिक से अधिक समाज केंद्रित होते जा रहे हैं जोकि सीधे तौर पर देश के सतत विकास से जुड़े हैं। इसलिए शिक्षण संस्थानों को उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में अनुसंधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

उन्होंने कहा कि शोधकर्ताओं, तकनीकी विदों और शिक्षाविदों को अंतःविषय अनुसंधान और उभरती प्रौद्योगिकी पर चर्चा करने एवं सतत विकास के लिए स्मार्ट समाधान प्रदान करने के लिए

इस तरह के सम्मेलन एक बेहतर मंच प्रदान करते हैं। सत्र के मुख्य भाषण में प्रो. भीम सिंह ने ग्रिड इंटरएक्टिव फोटोवोल्टिक (पीवी) सिस्टम पर व्याख्यान दिया और भारत की वर्तमान सौर क्षमता और इसके भविष्य के लक्ष्यों पर चर्चा की।

उन्होंने सोलर और ग्रिड के बीच उपलब्ध इंटरफेसिंग सिस्टम के प्रकारों के बारे में बताया। इससे पहले सम्मेलन अध्यक्ष एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष प्रो. पुनम सिंघल ने अतिथि वक्ताओं का स्वागत किया। डॉन एफएटी प्रो. एम.एल. अग्रवाल ने सम्मेलन के बारे में विस्तार से बताया और बताया कि सम्मेलन के दौरान चार आमंत्रित व्याख्यान होंगे और सम्मेलन के विषयों पर लगभग 50 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। सम्मेलन में छात्रों और शोधार्थियों द्वारा एक परियोजना और पोस्टर प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है। सत्र के अंत में कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सम्मेलन का संयोजन डॉ० साक्षी कालरा और श्री नितिन गोयल द्वारा किया जा रहा है।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:16.04.2022

HADOTI ADHIKAR

आज के शोध परिणाम, कल का भविष्य : कुलपति

इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उन्नति पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

➤ अधिकार समावयता

फरीदाबाद, 16 अप्रैल। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में 'इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीन विकास' (आईसीआरडीईई 2022) पर आयोजित दो दिवसीय एआईसीटीई प्रणालित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आज संपन्न हो गया। सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किया गया था। सम्मेलन में विभिन्न राज्यों के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

समापन सत्र में पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक तथा वर्तमान में स्मार्ट और इमर्जिंग कंट्रोल सिस्टम्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र नाथ नायक मुख्य अतिथि रहे। सत्र को अध्यक्षता कुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग और डीन एफईटी प्रो. एम.एल. अग्रवाल भी उपस्थित थे। अपने संबोधन में कुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान की आवश्यकता पर कल दिना और उभरती प्रौद्योगिकियों एवं उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान करने में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों की महत्वपूर्ण



भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज के शोध का परिणाम कल का भविष्य है। उन्होंने प्रतिभागियों को समाज के लाभ के लिए अपने नवीन विचारों और शोध को लागू करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ऐसे सम्मेलनों के महत्व पर भी जोर

दिया और सम्मेलन के सफल समापन पर विभाग को बधाई दी।

समापन भाषण में आर.एन. नायक ने हाल के दिनों में प्रौद्योगिकीय उन्नति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय प्रौद्योगिकीय उन्नति का परिवर्तनकाल है, जिसमें प्रौद्योगिकीय

उन्नति के लिए नए शोध में इंजीनियर्स और इनोवेटर्स भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने भारत के विद्युत क्षेत्र पर एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया और बताया कि नई प्रौद्योगिकीय उन्नति से कैसे विद्युत क्षेत्र का भविष्य बदलने वाला है।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email: proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:16.04.2022

AMAR UJALA

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए जल्द मिलेगी चार्जिंग की सुविधा

फरीदाबाद। हरियाणा में जल्द ही सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज करने के लिए ढांचागत सुविधा विकसित होगी। राज्य सरकार द्वारा लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन देने के लिए नई नीति तैयार की गई है। इसमें इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने पर काम होगा। यह जानकारी हरियाणा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के महानिदेशक डॉ. हनीफ कुरैशी ने जेसी बोस विश्वविद्यालय (विवि) में आयोजित कार्यक्रम में दी।

जेसी बोस विवि में 'इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीन विकास' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हो रहा है। सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. एसके तोमर ने की। सम्मेलन में आईआईटी दिल्ली से प्रो. भीम सिंह मुख्य वक्ता रहे। मुख्य अतिथि डॉ. कुरैशी ने कहा कि भारत ने 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा से पूरा करने का लक्ष्य है। इसके लिए हरियाणा में पहले ही जैव ऊर्जा नीति और सौर ऊर्जा नीति लागू है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की इलेक्ट्रिक वाहन नीति स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देकर पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करेगी। साथ ही राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन के निर्माण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करेगी। वाहन प्रदूषण को दूर करने के लिए ई-वाहन बेहतर समाधान है। ब्यूरो



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email: proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:16.04.2022

DAINIK BHASKAR

हरियाणा में जल्द विकसित होगी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग की ढांचागत सुविधा: डॉ. कुरैशी

फरीदाबाद | हरियाणा में जल्द ही सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज करने के लिए ढांचागत सुविधा विकसित की जाएगी। राज्य सरकार ने लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन देने और राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए एक इलेक्ट्रिक वाहन नीति तैयार की है। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग के लिए बेहतर बुनियादी सुविधा विकसित करने का प्रस्ताव है। यह जानकारी हरियाणा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के महानिदेशक डॉ. हनीफ कुरैशी ने शुक्रवार को जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 'इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीन विकास' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में दी। वह सम्मेलन में मुख्य अतिथि थे। सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. एसके तोमर ने की। सम्मेलन में आईआईटी दिल्ली के प्रो. भीम सिंह मुख्य वक्ता थे। डॉ. कुरैशी ने कहा कि भारत ने 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा से पूरा करने का लक्ष्य रखा है।